

नाम का अक्षर : **P**

आपके नाम में इस अक्षर का महत्व / फल :

जिन व्यक्तियों के नाम का पहला अक्षर अंग्रेजी वर्णमाला का 'पी' होती है उनके अन्तर्मन में भयंकर टूटन व हाहाकार होता है, पर असह्य कष्ट होने पर भी वे ऊपर से शांत बने रहते हैं, कभी उद्विग्न होते देखे नहीं जाते। अपने कष्टों और रहस्यों को छिपाते हुये वे दूसरों के सुख-दुःख में भाग लेना नहीं भूलते। उनके मन में किसी के प्रति कुत्सित विचार नहीं होते। साथी ही किसी की निन्दा भी सुनना पसंद नहीं करते। भीतर से साफ और बाहर से मधुर एवं मिलनसार होना उनके व्यक्तित्व की विशिष्टता होती है।

अनेक कठिनाइयां झेलने पर भी लोग उन्हें मुंह लटकाए नहीं देखते। उनके चेहरे पर दुःख-दर्द और चिंता-विषाद की रेखाएं देखने में नहीं आतीं। स्वयं कष्ट और हानि सहकर भी ऐसे व्यक्ति अपने मित्रों की सहायता करने और उन्हें सहयोग देने के लिये तैयार रहते हैं।

इन्हें सदा शांत वातावरण पसंद होता है, कोलाहल से भरे वातावरण में भी ये अपने को ऐसा बना लेते हैं मानो किसी अज्ञात स्थान पर रह रहे हों। इन्हें समाज का श्रेष्ठ मानव कहा जा सकता है।

नाम का अक्षर : **R**

आपके नाम में इस अक्षर का महत्व / फल :

जिन व्यक्तियों के नाम का पहला अक्षर अंग्रेजी वर्णमाला

का 'आर' होता है वे प्रभावशाली व्यक्तित्व के स्वामी होते हैं। उनका स्वभाव मृदु, सरल और प्रभावशाली होता है। वे चाहें तो अपरिचित व्यक्ति को भी थोड़ी सी देर में मित्र बना लेते हैं। अपने इसी गुण के कारण किसी भी उच्चाधिकारी से अपना काम निकलवा लेना उनके लिये अत्यंत सरल होता है। इसी कारण ऐसे व्यक्ति साधारण स्तर से उच्च स्तर तक पहुंच जाते हैं। ऐसे व्यक्ति गुण ग्राहक भी होते हैं। इन्हें किसी व्यक्ति-विशेष का कोई गुण प्रभावित कर जाये तो उसे ग्रहण करने का पूरा यत्न करते हैं और उसे अपने जीवन में उतारकर उसका दैनिक जीवन में प्रयोग इनकी विशेषता होती है। उन्हें अपनी स्वार्थसिद्धि का ध्यान तो रहता है, परन्तु स्वार्थ साधन में दूसरों की हानि करने घबराते हैं। ऐसे व्यक्ति को समाज में प्रतिष्ठा भी मिलती है और ज्यों-ज्यों इनका जीवन आगे बढ़ता है, इनके पास पैसा, सम्मान और पद में भी बढ़ोतरी होती रहती है। प्रौढ़ावस्था में ऐसे व्यक्ति अपेक्षाकृत अधिक सुखी पाये जाते हैं।

नाम का अक्षर : **A**

आपके नाम में इस अक्षर का महत्व / फल :

अंग्रेजी वर्णमाला का यह प्रथम अक्षर व्यक्ति के श्रेष्ठ गुणों को द्योतक है। जिन व्यक्तियों के नाम का प्रथम अक्षर 'ए' होगा, वे निश्चय ही अच्छे विचार वाले होंगे। उनमें अनेक सद्गुण होंगे। ये लोग भावना प्रधान होते हैं। भावनाओं का जाल इन पर सदा छाया रहता है।

ऐसे व्यक्ति रचनात्मक प्रवृत्ति के होते हैं। विध्वंसात्मक विचारों के नहीं। इनकी इच्छा सदा यही रहती है कि ये दूसरों के सुख-दुःख में हिस्सा लें। भावना प्रधान होने के कारण ऐसे व्यक्ति अपने ही

विचारों में खोये-खोये से रहते हैं, परन्तु इनकी इच्छा सदा यही रहती है कि यह धरती अधिक सुन्दर एवं प्रेम और माधुर्य से परिपूर्ण हो।

नाम का अक्षर : **D**

आपके नाम में इस अक्षर का महत्व / फल :

अंग्रेजी वर्णमाला का यह चौथा अक्षर आत्मविश्वास और आत्म नियंत्रण का परिचय देता है। जिन व्यक्तियों के नाम का प्रथम अक्षर 'डी' होता है, वे जिस काम में भी हाथ डालते हैं, उसे पूरा करके ही दम लेते हैं। समय उनके अनुकूल न हो तो भी ऐसे व्यक्ति न तो घबराते हैं और न ही उस कार्य से विमुख होते हैं। निरन्तर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना उनका स्वभाव होता है।

ऐसे व्यक्ति बातें बहुत कम करते हैं, परन्तु जो कुछ भी बोलते हैं, उसमें प्रभाव का पुट होता है। उनकी बातों से भी आत्मविश्वास झलकता है। ऐसे ही व्यक्ति सफल प्रशासक, नेता तथा अन्य व्यक्तियों के लिये मार्गदर्शक सिद्ध होते हैं।

अपने मान-सम्मान के प्रति भी ऐसे व्यक्ति पूर्ण जागरूक रहते हैं, पर जहाँ उन्हें अपनी प्रतिष्ठा का ध्यान रहता है, वहीं वे किसी अन्य के सम्मान को भी ठेस नहीं पहुंचाते। ऐसे व्यक्ति न तो किसी का अपमान करते हैं और न ही अपना अपमान सहन कर सकते हैं।

नाम का अक्षर : **E**

आपके नाम में इस अक्षर का महत्व / फल :

अंग्रेजी वर्णमाला का पांचवां अक्षर है। यह अक्षर पूर्णतया बहिर्मुखी प्रकृति का द्योतक है। इस अक्षर से जिन व्यक्तियों का नाम आरम्भ होता है, वे कोई भी बात गोपनीय नहीं रख सकते। सामने कैसा भी व्यक्ति खड़ा हो, अफसर हो या नेता, बेलाग बात कर देना उनका स्वभाव होता है।

ऐसे व्यक्तियों का मस्तिष्क योजनाबद्ध ढंग से काम करता है। ये कभी खाली या निठल्ले नहीं बैठते तथा स्पष्ट और पवित्र विचार ही इनके जीवन के मानदण्ड होते हैं। अपने इन्हीं सद्गुणों के आधार पर ये लोग अपनी उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

इनके विचारों, कार्यों तथा प्रतिदिन के सिद्धांतों में नवीनता होती ही है। इन्हें नई नीतियां ओर नये क्रिया-कलाप ही पसंद होते हैं तथा ये चाहते हैं कि जीवन में जो कुछ भी हो वह नवीनता का द्योतक होना ही चाहिये। पुराने, सड़े-गले एवं दकियानूसी विचारों से इन्हें घृणा होती है।

नाम का अक्षर : E

आपके नाम में इस अक्षर का महत्व / फल :

अंग्रेजी वर्णमाला का पांचवां अक्षर है। यह अक्षर पूर्णतया बहिर्मुखी प्रकृति का द्योतक है। इस अक्षर से जिन व्यक्तियों का नाम आरम्भ होता है, वे कोई भी बात गोपनीय नहीं रख सकते। सामने कैसा भी व्यक्ति खड़ा हो, अफसर हो या नेता, बेलाग बात कर देना उनका स्वभाव होता है।

ऐसे व्यक्तियों का मस्तिष्क योजनाबद्ध ढंग से काम करता है। ये कभी खाली या निठल्ले नहीं बैठते तथा स्पष्ट और पवित्र विचार ही इनके जीवन के मानदण्ड होते हैं। अपने इन्हीं सद्गुणों के आधार पर ये लोग अपनी उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

इनके विचारों, कार्यों तथा प्रतिदिन के सिद्धांतों में नवीनता होती ही है। इन्हें नई नीतियां ओर नये क्रिया-कलाप ही पसंद होते हैं तथा ये चाहते हैं कि जीवन में जो कुछ भी हो वह नवीनता का द्योतक होना ही चाहिये। पुराने, सड़े-गले एवं दकियानूसी विचारों से इन्हें घृणा होती है।

नाम का अक्षर : P

आपके नाम में इस अक्षर का महत्व / फल :

जिन व्यक्तियों के नाम का पहला अक्षर अंग्रेजी वर्णमाला का 'पी' होती है उनके अन्तर्मन में भयंकर टूटन व हाहाकार होता है, पर असह्य कष्ट होने पर भी वे ऊपर से शांत बने रहते हैं, कभी उद्विग्न होते देखे नहीं जाते। अपने कष्टों और रहस्यों को छिपाते हुये वे दूसरों के सुख-दुःख में भाग लेना नहीं भूलते। उनके मन में किसी के प्रति कुत्सित विचार नहीं होते। साथी ही किसी की निन्दा भी सुनना पसंद नहीं करते। भीतर से साफ और बाहर से मधुर एवं मिलनसार होना उनके व्यक्तित्व की विशिष्टता होती है।

अनेक कठिनाइयां झेलने पर भी लोग उन्हें मुंह लटकाए नहीं देखते। उनके चेहरे पर दुःख-दर्द और चिंता-विषाद की रेखाएं देखने में नहीं आतीं। स्वयं कष्ट और हानि सहकर भी ऐसे व्यक्ति अपने मित्रों की सहायता करने और उन्हें सहयोग देने के लिये तैयार रहते हैं।

इन्हें सदा शांत वातावरण पसंद होता है, कोलाहल से भरे वातावरण में भी ये अपने को ऐसा बना लेते हैं मानो किसी अज्ञात स्थान पर रह रहे हों। इन्हें समाज का श्रेष्ठ मानव कहा जा सकता है।